श्री
राम जय
राम जय
जय राम

श्री
राम जय
राम जय
जय राम

श्री
राम जय
राम जय
जय राम

।। राम दरबार ।।

प्रजा का सुख ही राजा का सुख एवं प्रजा का हित ही राजा का हित था। राम–राज्य की यह विशेषता थी। प्रजा की सुरक्षा में ही राजा अपनी सुरक्षा मानता था। राजा का न कोई अलग से सुख था, न शौक।

During Ram Rajya, the interest and pleasure of the people, was the interest and pleasure of the king. The security of the people was not seperate from the security of the king. There was no seperate pleasures of the king from the pleasure of the general populace. This was the practice in Ram Rajya.

श्री
राम जय
राम जय
जय राम

श्री
राम जय
राम जय
जय राम

श्री
राम जय
राम जय
जय राम